वर्गीकरण

वस्तुओं को उनके गुणों के आधार पर एक साथ रखने या अलग करने को 'वर्गीकरण' कहते हैं। शुरू में बच्चे चीज़ों को रंग, आकार, लंबाई, उनकी उपयोगिता, आदि के आधार पर वर्गीकृत करते हैं। उसके बाद, बच्चे मात्रा के अनुसार, जैसे, कम-ज़्यादा के आधार पर वर्गीकृत करते हैं।

वर्गीकरण के लिए कई तरह की गतिविधियाँ करवाई जा सकती हैं। जैसे-

बच्चे बगीचे से या घर से अलग- अलग पत्ते ले आएँ। फिर वे पत्तों को रंग,बनावट या आकार के आधार पर वर्गीकृत कर सकते हैं।

जैसे- बच्चे हरे, पीले, भूरे पत्तों को अलग-अलग रख सकते हैं।

बच्चे पत्थर इकठ्ठे करके देख सकते हैं कि उन पत्थरों में से कौन से पत्थर सबसे बड़े हैं, कौन से पत्थर सबसे छोटे हैं और कौन से पत्थर मध्यम आकार के हैं। बच्चे माप केआधार पर इन पत्थरों को अलग-अलग कर सकते हैं।

बच्चों को रंग या आकार के आधार पर भी वर्गीकरण करने के लिए कहा जा सकता है। आप बच्चों को अलग-अलग रंग के बटन, मोती, ब्लॉक्स दे सकते हैं और उन्हें रंग के आधार पर चीज़ों को अलग रखने के लिए कह सकते हैं। इसके अलावा आप अलग-अलग आकार के गत्ते के टुकड़े दे सकते हैं और बच्चों को त्रिभुज, गोल और चकौर चीज़ें अलग करने के लिए कह सकते हैं।

इस प्रकार, बच्चों से अलग- अलग आधार पर वर्गीकरण करवाया जा सकता है। वर्गीकरण करवाते समय आप बच्चों से वस्तुओं की समानताओं व भिन्नताओं पर चर्चा करें। शुरू में बच्चों से एक ही आधार पर वर्गीकरण करवाएँ; जैसे—सिर्फ़ रंग के आधार पर।

बाद में आप एक से अधिक आधार पर भी वर्गीकरण करवा सकते हैं – जैसे आप कुछ बटन देकर कह सकते हैं कि वे उन्हें रंग और माप दोनों के आधार पर वर्गीकृत करें।

इस प्रकार, आप धीरे- धीरे बच्चों के वर्गीकरण का कौशल विकसित कर सकते हैं।